पाठ्यक्रम

संगीत (सितार) पेपर 2

यूनिट- I: संगीत ग्रंथ का अध्ययन

1. विद्वान और उनकी पाठ्य परंपरा: भरत, दत्तिल, मातंग, नारद, जयदेव, शारंगदेव, सुधाकलश, नान्यदेव, पार्श्वदेव, लोचन, महाराणा कुंभा, रामामात्य, पुंडरीक-विट्ठल, सोमनाथ, दामोदर, व्यंकटमाखी, अहोबल, हृदय नारायण देव, श्रीनिवास, वी.एन. भातखंडे, वी.डी. पलुस्कर, ओंकारनाथ ठाकुर, के.सी.डी. बृहस्पति, प्रेमलता शर्मा, लालमणि मिश्र।

इकाई-II: महान सितारवादक का योगदान

1. महान सितारवादकों के जीवन रेखाचित्र और योगदान- मसीत खान, रजा खान, रहीम सेन, अमृत सेन, बरकतुल्ला खान, इमदाद खान, इनायत खान, वाहिद खान, आशिक अली खान, मुश्ताक अली खान, विलायत खान, अलाउद्दीन खान, रविशंकर, निखिल बनर्जी, पं. लालमणि मिश्रा, अन्नपूर्णा देवी, देबू चौधरी, बलराम पाठक, बुधादित्य मुखर्जी, हलीम जफर खान, शाहिद परवेज, इमरत खान, शुजात खान, अरविंद पारिख, अनुष्का शंकर, मणिलाल नाग, नीलाद्री कुमार, प्रेम जोशुआ।

2. भारतीय संगीत के वैश्विक विकास में प्रख्यात भारतीय एवं विदेशी सितारवादकों का योगदान।

इकाई-III: राग का अध्ययन

1 निम्नलिखित रागों का तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन- भूपाली-देशकर, कामोदछायनात, हमीर-केदार, श्यामकल्याण-शुद्धसारंग, तिलककामोद-देस, बागेश्री-भीमपलासी, आसावरी-जौनपुरी, मालकौंस-चन्द्रकौंस। दरबारीअदाना, तोड़ी-मुल्तानी, मियाँ मल्हार-बहार।

रागांग के अनुसार 2 रागों का अध्ययन:

1) कल्याण - श्याम कल्याण, पुरिया-कल्याण, शुद्ध कल्याण।
2) बिलावल- अल्हैया बिलावल, यमनी बिलावल, देवगिरी बिलावल।
3) सारंग- मध्यमाद सारंग, मियां-की-सारंग, शुद्ध सारंग
4) भैरव- अहीरभैरव, नटभैरव, शिवमत्भैरव।
5) कान्हड़ा- नायकी कान्हड़ा, कौंसी कान्हड़ा, अभोगी कान्हड़ा
6) खमाज- जैजैवंती, तिलंग, झिंझोटी।
7) मल्हार- सूरदासी मल्हार, रामदासी मल्हार, मेघ मल्हार
8) बिहाग- बिहागड़ा, नट बिहाग, मारु बिहाग।
9) कौन्स- जोगकौंस, मधुकौंस, चंद्रकौंस।
10) टोडी- गुर्जरी टोडी, भूपाल टोडी, मुल्तानी।
11) पूर्वी - श्री, बसंत, परज।
12) मारवा- सोहनी, पुरिया, भटियार।

3 समस्त आश्रय राग का सामान्य अध्ययन। राग का अध्ययन : यमन, दुर्गा, शंकर, नंद, हिंडोल, हंसध्वनि, वृंदावनी सारंग, गौड़-सारंग, गोरख-कल्याण, जोग, पुरिया-धनश्री, ललित, विभास, गुंकाली, जोगिया, कलिंगदा, रामकली, गौरी, हंसकिन्किनी, नारायणी, देसी, कलावती, मधुवंती, बिलासखानी, रागेश्री, पटदीप।

यूनिट-IV: लय, ताल और मुख्य शास्त्रीय नृत्यों का अध्ययन

1. मार्गी और देशी ताल प्रणाली। 'ताल के दस प्राण'। हिंदुस्तानी और कर्नाटक ताल प्रणाली।

2. विभिन्न लयकारी के साथ निम्नलिखित तालों का विस्तृत अध्ययन- दादरा, खेमटा, पश्तो, तीवरा, रूपक, केहरवा, धुमाली, बसंत, झप, सूलताल, रुद्र, मणि, एकताल, चौताल, जयताल, अदाचौताल, दीपचंदी, धमार, झुमरा, सवारी, त्रिताल, तिलवाड़ा, एकवाई, पंजाबी, जट्ट-ताल, शिखर, मत्त-ताल, लक्ष्मी, ब्रह्म ताल। सप्त सुलादि ताल.

3. भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्यों- भरतनाट्यम, कथक, कथकली, मणिपुरी, ओडिसी, सत्रिया, कुचिपुड़ी और मोहिनीअट्टम का प्रारंभिक ज्ञान।

यूनिट-V:

1. भारत में प्रमुख शास्त्रीय संगीत सम्मेलन और पुरस्कार।

2. संगीत के विकास के लिए संगीत नाटक अकादमी, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो, आईसीसीआर, सीसीआरटी, आईटीसी-एसआरए का योगदान। भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय और विभिन्न अकादमियों द्वारा संगीत क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराए गए कार्यों और वित्तीय सहायता योजनाओं का ज्ञान।

3. संगीत का चित्रात्मक पहलू। राग ध्यान। सौंदर्यशास्त्र का सिद्धांत और भारतीय संगीत से इसका संबंध।

4. प्राचीन काल से आधुनिक काल तक भारतीय संगीत शिक्षा प्रणाली का अध्ययन। संगीत योग्यता परीक्षण। शोध पद्धति, शोध योग्यता और संगीत में विभिन्न शोध क्षेत्र